मांस तथा मांस प्रसंस्करण सुविधाओं, ट्रूना और अन्य मछली प्रसंस्करण, कोल्ड चेन की स्थापना, खाद्य प्रसंस्करण तथा पैकेजिंग में अनुसंधान और विकास तथा कतिपय क्षेत्रों में जनशक्ति के प्रशिक्षण के लिए वित्तीय सहायता दी जाती है।

पिछले 3 वर्षों के दौरान फल और सब्जी और प्रसंस्करण क्षेत्रों के संबंध में हरियाणा से प्राप्त प्रस्तावों के सिलसिले में 20,890 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी गई है।

बिजली के पारेषण और वितरणों के माध्यम से होने वाली हानि

1188. **श्री राम जेठमलानी:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि आठवीं पंचवर्षीय योजना के आरंभिक वर्षों की तुलना में वर्ष 1996-97 के दौरान देश में बिजली के पारेषण और वितरण के माध्यम से होने वाली हानि की मात्रा में बढ़ोतरी हुई है;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1992-93 के दौरान और 1996-97 में अब तक बिजली के पारेषण और वितरण के माध्यम से क्रमश: कितनी मात्रा में बिजली की हानि हुई;

(ग) क्या उपर्युक्त वर्षों के दौरान देश में उत्पादित कुल बिजली की मात्रा में भी वृद्धि हुई है;

(घ) यदि हां, तो वर्ष 1992-93 के दौरान और 1996-97 में अब तक क्रमश: कुल कितनी मात्रा में बिजली का उत्पादन किया गया;

(ङ) क्या उपर्युक्त वर्षों के दौरान बिजली की पारेषण और वितरण प्रणाली में सुधार लाने हेतु सरकार ने कोई ठोस उपाय किए थे; और

(च) यदि हां, तो उन उपायों का ब्यौरा क्या है और उन पर अलग-अलग कुल कितनी धनराशि व्यय की गई?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा.एस. वेणुगोपालाचारी): (क) और (ख) जी, नहीं। वर्ष 1996-97 हेतु सूचना की वर्ष के दौरान उत्पादित ऊर्जा, विक्रय और पारेषण एवं वितरण हानियों इत्यादि के वार्षिक आंकड़ों की जानकारी के पश्चात् ही समेकित किया जाएगा। तथापि, आठवीं योजना के प्रथम तीन वर्षों के दौरान पारेषण एवं वितरण हानियों में लगभग 2 प्रतिशत की कमी प्राप्त की गई है, जैसा कि नीचे दिया गया।

वर्ष	आपूर्ति हेतु उपलब्ध ऊर्जा (मि.कि.वा.घ.)	अंतरण एवं वितरण में हानि हुई तथा लेखे में न ली गई ऊर्जा (मि.कि.वा.घं.)	ऊर्जा हानि(%)
1991-92	269136	61439	22.83%
1992-93	282384	61565	21.80%
1993-94	303681	65010	21.41%
1994-95 (अनंतिम)	329628	68729	20.85%
1995-96			
1996-97	आंकड़े अभी उपलब्ध नहीं		

(ग) जी, हां। ऊर्जा का उत्पादन वर्ष 1992-93 में 301 बिलियन कि.वा.घं. से बढ़कर 1994-95 में 380 बिलियन कि.वा.घं. हो गया, जैसाकि नीचे दर्शाया गया है:—

वर्ष	विद्युत उत्पादन (मि.यू.)			
	ताप	जल	न्यूक्लीय	जोड.
1992-93	224485	69833	6748	301066
1993-94	247757	70375	5399	32353
1994-95	262868	82511	5646	351025
1995-96	299606	72513	7965	38008
1996-97 (अप्रैल, 96 से जून, 96)	79247	14877	1861	95985*

*आंशिक रूप से मूल्यांकित आंकड़ों के आधार पर

(घ) से (च) विद्युत वितरण राज्य सरकारों के क्षेत्राधिकार में आता है तथा रा.बि.बो./विद्युत विभाग हानियों की कमी के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने हेतु उत्तरदायी हैं। तथापि, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण ने यूटिलिटियों को अल्पकालीन तथा दीर्घकालीन उपायों की उपलब्धता, रिएक्टिव प्रतिपूर्ति हेतु केपिसिटर जवाहर, उच्च हानियों हेतु उत्तरदायी प्रणाली घटकों को अभिज्ञात करने के लिए ऊर्जा लेखा-परीक्षा करवाकर तथा पारेषण एवं वितरण हानियों हेतु अन्य उपयुक्त उपायों के जरिए अपनी पारेषण एवं वितरण प्रणालियों को बेहतर बनाने की सलाह दी हैं।